कर्मकाण्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

1	कर्मकाण्ड	प्रथम	ग्रन्थ नाम
	नित्यकर्म विधिः सन्ध्या + अथर्वशीर्ष गणपति स्वस्तिवाचन, देवस्तुतिः, संकल्प षोडशोपचार पूजन गणेशाम्बिका रुद्राष्टाध्यायी-प्रथम, द्वितीय अध्याय नोट- साथ में पौराणिक श्लोक भी	100 लिखित	
2	कर्मकाण्ड	द्वितीय	
	क्लश स्थापना पुण्याह वाचन पूजन से सम्बन्धित ज्ञातव्य विषय पुष्पार्पण, ग्राह्य, त्याज्य पुष्प इत्यादि का विचार नोट - साथ में पौराणिक श्लोक भी	100 लिखित	
3	ज्यौतिष	तृतीय	
	पंचाग अवलोकन (परिचय) तिथि,वार,नक्षत्र,योग,करण,संवत्सर, अयन,ऋतु,मास,पक्ष,तिथि संज्ञा शुभाशुभ तिथि, वार, नक्षत्र, योग,करण, समय ज्ञान, पंचक, मूल, अग्नि, शिववास,	100 लिखित	
	नक्षत्र द्वारा राशि ज्ञान, ग्रह लग्नानयन इत्यादि		
4	प्रायोगिक	चतुर्थ	
	प्रायोगिक (कर्मकाण्ड)	100 मौखिक	

द्वितीय सेमेस्टर

1	कर्मकाण्ड	प्रथम	ग्रन्थ नाम
	षोडश मातृका पूजन, सप्तघृतमातृका पूजन, षड्विनायकपूजन, आयुष्यमंत्रजाप, नान्दीश्राद्ध, ब्राह्मणवरण संक्षिप्त दिग्रहण पौराणिक, पंचगव्यकरण, रुद्राष्टाध्यायी-तृतीय-चतुर्थ अध्याय नोट- सम्बन्धित पौराणिक श्लोक सहित	100 लिखित	
2	कर्मकाण्ड	द्वितीय	
	ग्रह स्थापना, अधिदेवता, प्रत्यधिदेवता पंच लोकपाल, वास्तु, क्षेत्रपाल, दश दिक्पाल, अग्निस्थापन, हवन से सम्बन्धित, सामान्य विधिः, बलिदान, पूर्णाहुतिः, वसोर्द्धारा संक्षिप्त, अर्पण, आशीर्वाद विसर्जन नोट- सम्बन्धित पौराणिक श्लोक भी	100 लिखित	
3	ज्योतिष	तृतीय	
	यात्रा विचार सामान्य ग्रहबल - उच्च, नीच, मूल त्रिकोण भावानुसार- ग्रहों के शुभाशुभ अवस्था	100 लिखित	
	मेलापक- अष्टकूट विचार मंगली विचार एवं दोष निवारण		
4	प्रायोगिक	चतुर्थ	
	प्रायोगिक (कर्मकाण्ड)	100 मौखिक	